शराब की यादें भुलाकर व्यसन से मुक्ति

चूहों पर किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि यदि शराब पीने से जुड़ी यादों को मिटाया जा सके तो शराब की लत से छुटकारा पाया जा सकता है।

ऐसा माना जाता है कि किसी भी तरह की लत के समान शराब की लत के संदर्भ में भी पर्यावरण से मिलने वाले संकेत व्यक्ति को शराब की ओर धकेलते हैं। शराब की गंध या किसी और को शराब पीते देखना इस तरह के संकेत का काम कर सकते हैं। पेनसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर स्टडीज़ ऑफ एडिक्शन के निदेशक चार्ल्स ओब्रायन के मुताबिक दरअसल लत और कुछ नहीं, ऐसे ही संकेतों को शराब पीने से मिलने वाले आनंद से जोड़ने वाली यादों का नाम है।

चूहों में शराब की लत का अध्ययन कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय की तंत्रिका वैज्ञानिक डोरिट रॉन और उनके साथियों ने किया है। अपने प्रयोगों की मदद से उन्होंने यह दर्शाया है कि तंत्रिका संदेश के संप्रेषण के एक खास मार्ग को बाधित करने से शराब की लत में वापिस लौटने में कमी आती है। तंत्रिका संप्रेषण के इस मार्ग का नाम है एमटीओआरसीआई।

ऐसा माना जाता है कि कोई याद उस समय कमज़ोर स्थिति में होती है जब उसे चेतन रूप में उभारा जाता है। यह वह समय होता है जब उस याद को स्थायी याददाश्त वाले खंड में से तात्कालिक उपयोग वाले खंड में लाया जाता है। कई अध्ययन दर्शाते हैं कि यदि इस समय एमटीओआरसीआई में गड़बड़ी कर दी जाए तो वह याददाश्त वापिस स्थायी याद के खंड में नहीं पहुंच पाती। किसी दुर्घटना के साथ जुड़े त्रास से बचाव में यह तरीका उपयोगी हो सकता है।

रॉन व उनके साथियों ने *नेचर न्यूरोसाइन्स* में प्रकाशित अपने शोध पत्र में बताया है कि पहले उन्होंने कुछ चूहों को पानी तथा पानी-अल्कोहल मिश्रण के बीच चुनाव की छूट देकर उन्हें अल्कोहल का आदी बनाया। आश्चर्य की बात है कि सात सप्ताह में उन्हें अल्कोहल की लत लग गई और वे खुद अल्कोहल की मांग करने लगे।

अब शोधकर्ताओं ने उन्हें 10 दिन तक अल्कोहल से दूर रखा। अगले दिन उन सबको अल्कोहल की एक-एक छोटी-सी बूंद पिलाई गई ताकि उनकी अल्कोहल की चाहत को फिर से उभारा जा सके। मगर ऐसा करते हुए कुछ चूहों को रेपामायसिन नामक दवा भी दी गई। रेपामायसिन एमटीओआरसीआई मार्ग को अवरुद्ध करती है।

सारे चूहों को यह प्रशिक्षण दिया गया था कि वे एक लीवर को दबाकर अल्कोहल प्राप्त कर सकते थे। देखा गया कि रेपामायसिन से उपचारित चूहों ने अल्कोहल वाला लीवर कम बार दबाया।

अब शोधकर्ता यह तो नहीं जानते कि रेपामायसिन ने किन यादों के साथ छेड़छाड़ की मगर यह जानते हैं कि कौन-सा संकेत इन यादों को उभार रहा है। लत को वापिस उभरने से रोकने में यह तरीका कारगर साबित हो सकता है। हालांकि रॉन अभी इस दवा का इन्सानी परीक्षण करने की नहीं सोच रही हैं मगर उनका ख्याल है कि रेपामायसिन अल्कोहल की लत को छुड़ाने का एक उपयोगी साधन साबित हो सकता है। ***(स्रोत फीचर्स)***